एम.ए. भाग-१

प्रश्नपत्र-१ : आधुनिक गद्य (मुख्य एवं गौण) : (यू.जी.सी. मॉडल पाठ्यक्रम पर आधारित) १०

१. चन्द्रगुप्त- प्रसाद
२. आधे अधूरे - मोहन राकेश
३. शेखर : एक जीवनी, भाग-१ - अज्ञेय
४. मैला आंचल - फणीश्वरनाथ रेणु
५. कुटज - हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती, इलाहाबाद.
६. ज़िंदगी और गुलाब के फूल - उषा प्रियंवदा, ज्ञानपी प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ

१. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मंदिर, वाराणसी.
२. आधुनिक नाटक का मसीहा - गोविंद चातक
३. नाटककार मोहन राकेश- धनानंद शर्मा, शांति प्रकाशन, अहमदावाद.
४. अज्ञेय : एक अध्ययन - डा. भोलाभाइ पटेल
५. फणीश्वरनाथ रेणु का कथा साहित्य - वीरेन्द्रसिंह, रवि प्रकाशन, अहमदाबाद.
६. रेणु का कथा संसार - शेफालिका
७. शांत निकेतन से शिवालिक - शिवप्रसाद सिंह.
८. कहानी : नई कहानी - नामवरसिंह
९. हजारीप्रसाद द्विवेदी - सं. विश्वनाथप्रसाद तिवारी

अंक विभाजन

३ व्याख्याएँ	३ x १०	= ३०
२ आलोचनात्मक प्रश्न	२ x १५	= ३०
४ संक्षिप्त प्रश्न	४ x ५	= २०
२० वस्तुनिष्ठ प्रश्न		= २०

प्रश्नपत्र-२ : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य :

१. विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह.: लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद.
   व्याख्या हेतु पद संख्या : ३, ४, ५, ११, १२, १५, ३०, ३५, ४२, ४७, ५४, ५८, ६:, ६५, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३,९५, ९६, ९८, १००, १०२
२. कबीर बानी : भगीरथ मिश्र, कमल प्रका. इन्दोर
   व्याख्या हेतु साखी - क्रम १ से १००, सबद - क्रम १ से ४०
   उलट बाँसी - क्रम ४१ से ४८
३. भ्रमरगीत सार : सूरदास : सं. रामचंद्र शुक्ल
   व्याख्या हेतु पद संख्या : ४, ६, ८, ९, ११, १५, १६, १८, २०, २३, २४, २५, २६, २७, २८, ३१, ३४, ३९, ४१, ४२, ४५, ५०, ५७, ६१, ६२, ६४, ७५, ८५, ८९, ९५, ९७, १००, १०९, ११५, ११७, १३३, ११५, १३३, १३८, १४६, १७१, १७२, २१०, २७४, २७८,२८२, ३१६, ३६६, ३७५, ३८४, ४००
४. सुदर कांड : गोस्वामी तुलसीदास
   - व्याख्या के लिए समग्र
५. मीराबाई की पदावली - सं. परशुराम चतुर्वेदी
   व्याख्या के लिए पद :-
   १, ३, ७, ८, १४, १८, २०, २३, २४, २५, २६, ३०, ३१, ३२, ३३, ३५, ३६, ४३, ४४, ४६, ५३, ५८, ६१, ६४, ६६, ६७, ७०, ७२, ७४, ७६, ८०, ८४, ८७, ९२, १०३, १०८, ११४, ११८, १३७, १४३, १५४, १७१, १७५, १७७, १८१, १८२, १८९, १९३, १९५, १९६

६. संक्षिप्त बिहारी - सं. रमाशंकर प्रसाद, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद. ११

व्याख्या के लिए दोहे :

१ से १०, १४, १५, १७ से २३, २८, २९, ३२, ३३, ३५, ३६, ३८, ३९, ४०, ४२, ४४, ५१, ५३, ५४, ५७, ६०, ६२, ६४, ६५, ६६, ६७, ७२, ७४, ७६, ७८, ८०, ८१, ९१, ९५, ९७, १०५, १०९, ११०, १११, ११२, ११४, ११९, १२१, १२२, १२३, १३०, १३१, १३२, १३९, १४५, १४६, १४७, १५०, १५४, १५४, १५७, १६५, १६८,१७०, १७८, १८१, १८३, १८५, १८८, १८९, १९०, १९१, १९४, १९७, १९८, २००, २०१, २०३, २०४, २१२, २१३, २१५, २१६, २१७, २१८, २२१, २२२, २२४,

संदर्भ ग्रंथ

१. विद्यापति : एक अध्ययन - रणधीर श्रीवास्तव, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

२. विद्यापति : सौन्दर्य के कवि - बुद्धिनाथ झा
नेशनल पब्लिशिंग, नई दिल्ली

३. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी

४. सूर मीमांसा - व्रजेश्वर वर्मा

५. तुलसी : सं. उदयभानुसिंह

६. मीरा का काव्य - प्रि. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

७. बिहारी का नया मुल्यांकन - बच्चनसिंह

अंक विभाजन

३ व्याख्याएँ	३ x १०	= ३०
२ आलोचनात्मक प्रश्न	२ x १५	= ३०
४ संक्षिप्त प्रश्न	४ x ५	= २०
२० वस्तुनिष्ठ प्रश्न		= २०

प्रश्नपत्र - ३ : काव्य शास्त्र एवं साहित्यलोचन :

पाठ्यविषय

(क) संस्कृत काव्य शास्त्र : काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, कावय के प्रकार ।

- रससिद्धान्त : रस का स्वरुप, रस- निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृय की अवधारणा ।
- अलकार-सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अलंकारो का वर्गीकरण ।
- रीति- सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ ।
- वक्रोक्ति -सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा , वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।
- ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद गुणीभूत
- व्यंग्य, चित्र कावय ।
- औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ औचित्य का भेद ।

(ख) पाश्चात्य काव्य शास्त्र :

- प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
- अरस्तू : अनुकरण- सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन ।
- लोंजाइनस : उद्दातकी अवधारणा ।
- वर्डसवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धान्त ।
- कालारिज : कलप्ना - सिद्धान्त और ललित - कल्पना ।
- टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य ।
- आई.ए.रिचर्डस : रागात्मक अर्थ, संवेगो का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना ।
- सिद्धान्त और वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद ।
- आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर- आधुनिकतावाद ।

(ग) हिन्दी कवि - आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिंतन :

- लक्षण - काव्य - परंपरा एवं कवि शिक्षा ।

(घ) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :

- शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेष्णवादी सौदर्यशास्त्रीय शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय ।

अंक विभाजन

संस्कृत काव्य शास्त्र	१ आलोचनात्मक प्रश्न	= २०
पाश्चात्य काव्य शास्त्र	१ आलोचनात्मक प्रश्न	= २०
हिन्दी काव्य शास्त्र	१ आलोचनात्मक प्रश्न	= २०
एवं हिन्दी आलोचनाकी प्रमुख प्रवृत्तियों		
संक्षिप्त प्रश्न		
संस्कृत + पाश्चात्य + हिन्दी		
+ सिद्धान्त, प्रवृत्तियों एवं वाद	४ X ५	= २०
२० वस्तुनिष्ठ प्रश्न		= २०

संदर्भ ग्रंथ

१. समीक्षात्मक - भगीरथ दीक्षित, समुदाय प्रकाशन, बंबई
२. भारतीय काव्य शास्त्रकी भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
३. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
४. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - डॉ. निर्मला जैन/ कुसुम बाँहिया

प्रश्नपत्र ४ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य के इतिहास का विस्तृत अध्ययन (गुजरात सहित) - सन् १९९० तक
(एन्टायर हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए)

सूचना :

१. इतिहास का प्रश्न होने के कारण किसी प्रवृत्ति या विद्या का विकास एवं ऐतिहासिक महत्व से संबंधित प्रश्न अपेक्षित है ।
२. इतिहास से संबंधित प्रश्नो के उत्तर में पृष्ठभूमि, परिस्थितियों, विद्या या प्रवृत्ति का अभिप्राय प्रारंभ, नामकरण, अन्य विद्या या प्रवृत्ति से अंतर, कथ्य और शिल्पगत विशेषताएँ प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ आदि मुद्दे हो सकते है ।
३. प्रश्नपत्र को ५ विभागों में विभाजित किया गया है । प्रश्नपत्र में प्रत्येक विभाग से प्रश्न पूछे जाने चाहिए ।

विभाग -१ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ : (क) प्रयोगवाद (ख) नयी कविता (ग) अकविता (घ) जनवादी कविता या प्रतिबद्ध कविता (च) नवगीत धारा (छ) समकालीन हिन्दी कविता (ज) खंडकाव्य

विभाग -२ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास

(क) आँचलिक उपन्यास (ख) मनो वैज्ञानिक उपन्यास (ग) सामाजिक उपन्यास (घ) ऐतिहासिक उपन्यास (च) लघु उपन्यास ।

विभाग - ३ स्वातंत्र्योत्तर एकांकी, नाटक एवं आलोचना

(क) स्वातंत्र्योत्तर एकांकी : पृष्ठ भूमि, नया उन्मेष, रंगचेतना कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएँ , प्रमुख एकांकीकार, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक : पृष्ठ भूमि, आधुनिक रंगमंच और हिन्दी नाटक, प्रारंभिक प्रयास- अश्क, माथुर के नाटक, मोहन राकेश के नाटक एवं हिन्दी नाटक में रंगचेतना, साठोत्तरी प्रयोगशील नाटक, अनूदित नाटक - बंगला, मराठी कन्नड, गुजराती आदि , प्रमुख नाटककार एवं नाटक , देशी-विदेशी नाटककारों एवं नाटकों का हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर प्रभाव, नुक्कड नाटक, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ।

(१) प्रयोगशील नाटक : पृष्ठ भूमि, परिस्थितियाँ, प्रयोगशीलता का उन्मेष, -कथ्य के संदर्भ में, शिल्प के संदर्भ में, मंच के स्तर पर, भाषा के स्तर पर, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ ।

(२) गीत नाट्य : पृष्ठ भूमि, गीत नाट्य का वैशिष्टय, नाटक और गीत नाट्य, रचना, हिन्दी गीत नाट्य एक सर्वेक्षण, प्रमुख हिन्दी गीत नाट्य, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ।

(३) नुक्कड़ नाटक : उद्‌भव एवं विकास, सामाजिक आंदोलन और नुक्कड़ नाटक, नुक्कड़ नाटक और मंच, नुक्कड़ नाटक और दर्शक, हिन्दी में नुक्कड़ नाटक आंदोलन, विशेषताएँ, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ ।

(ग) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का उदय - पं. रामचंन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, (१) काव्य शस्त्रीय आलोचना - वैशिष्ठय आलोचक, (२) स्वच्छंदतावादी आलोचना, (३) मार्क्सवादी आलोचना, (४) नई आलोचना, (५) मनोविश्लेषणात्मक आलोचना, (६) शैली वैज्ञानिक आलोचना, हिन्दी आलोचना में विचारधारात्मक संघर्ष का स्वरुप- कविता क्या है, कवि - कर्म का स्वरुप कविता की स्वायत्तता, विचारधारा और साहित्य, परंपरा और प्रतिबद्धता, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ।

विभाग : ४ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध , कहानी, एवं जीवनीपरक साहित्य

(क) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध : (१) विचार प्रधान निबंध, (२) ललित निबंध, (३) हास्य एवं व्यंग्य प्रधान निबंध , (४) समीक्षात्मक निबंध ।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी

हिन्दी कहानी आन्दोलन : नई कहानी, अकहानी, समान्तर कहानी, समकालीन कहानी तथा अन्य कहानी आन्दोलन ।

(ग) जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र ।

विभाग : ५ गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

(क) स्वातंत्र्योत्तर काव्य - प्रबंध काव्य, गीत एवं गजल, समकालीन बोध और गुजरात की हिन्दी कविता ।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य ।

(ग) स्वातंत्र्योत्तर कहानी ।

(घ) स्वातंत्र्योत्तर निबंध साहित्य ।

अंक विभाजन

४ आलोचनात्मक प्रश्न	४ x १५	= ६०
४ संक्षिप्त प्रश्न	४ x ५	= २०
२० वस्तुनिष्ठ एवं लघुत्तरी प्रश्न		= २०

संदर्भ ग्रंथ

१. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चनसिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन ।

२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र , मयूर प्रकाशन ।

३. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद ।

४. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन, डॉ. रघुवीर चौधरी, डॉ. आलोक गुप्त